... अन्य तत्व पाये जाने चाहिए

आदि।

1- विलियम = 8 पहलू (Aspects)

2- टॉरेन्स = 4. सृजनात्मकता के तत्व / विमाओं /

सृजनात्मकता के कुछ प्रमुख तत्व है जो निम्न है — विलियम महोदय के अनुसार 8 प्रकार के तत्व है

1- धारा प्रवाह (Fluency)

2- विविधता (Flexibility) / लचीलापन / नमनीयता

3- विस्तारण (Elaboration)

4- पुनः परिभाषीकरण (Re-definition)

5- संवेदनशीलता (Emotional thinking) (चिन्तन)

6- लचीलापन (Flexibility) Thinking

7- मौलिकता (Originality) "

8- जटिल चिन्तन (Complex thinking)

9- जोखिम उठाने की प्रवृत्ति !— (Risk taking tendency)

10 जिज्ञासा (Curiosity)

(प्रमुख) टॉरेन्स ने चार तत्व (विशेषताएं) सृजनात्मकता के तत्व

① प्रवाह
② विविधता
③ मौलिकता
④ विस्तारण

M T W T F S S M T W T F S S M T W T F S S M T W T F S S FEBRUARY
1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 — 2019 —
MAR APR MAY JUN
Scanned with CamScanner

प्रवाह चार भागो मे बाटा
1- वैचारिक प्रवाह
2- अभिव्यक्ति प्रवाह
3- साहचर्य प्रवाह — कोई वस्तु दी गयी है साथ मे भारत को कार्य को जोड़ कर व्याख्या
4- शब्द प्रवाह — कमल के मुख्य भाग बताइए

प्रथम नैपुण्य चिन्तन
1- धारा प्रवाह (Fluent Thinking)

अर्थ : जब किसी समस्या को जल्द से जल्द दूर किया जाय तथा शब्द प्रवाह मे शब्द दिये जाते है तथा व्यक्ति को उन्हे जल्दी से पूरा करने को कहा जाता है जैसे —

Exm- ① W - - - c - - - e - - - n.

अर्थात (We can eat nuts तथा (Willie come every nightete

② कहानी का 'शीर्षक' दिया जाता है —

lar अक्षर से शुरू होने वाले वाक्य व शब्दो को लिखिये —
d अक्षर वाले ऐसे शब्द लिखिये जिनके अन्त मे d शब्द आये — अर्थ

2— विविधता / लचीलापन चिन्तन / नवीनता नम्यता / मौलिकता (Flexible Thinking)

अर्थ =

किसी समस्या का समाधान दूसरो से भिन्न प्रकार से देना विविधता / मौलिकता नवीनता कहलाता है। "दूसरो से हट के किया गया कार्य मौलिकता कहलाता है"
या
सामान्य व्यक्ति से हट के किया गया कार्य को विविधता कहते है।

Exm— माचिस से आयत त्रिकोण बनाना

3— विस्तारण चिन्तन (Elaborate Thinking)

इसमे कोई शब्द या रेखा दे कर नयी वस्तु या शब्द का निर्माण कराना विस्तारण / वर्णन / प्रसार (Extention) / फैलाव कहलाता है।

4— पुनः परिभाषीकरण (Re-definition)

यह विचारो को पुनः व्यवस्थित करने की योग्यता है।
यह भी तीन प्रकार से होता है — ① आकृति पुन परिभाषीकरण (Figural Rede
② चिन्ह / प्रतीकात्मक पुन परिभाषीकरण (Symbolic Redefinition)
③ शब्दार्थ - विषय पुन परिभाषीकरण (Semantic Redefinition)

5— जटिल चिन्तन (Complex Thinking)

जटिल चिन्तन मे अन्दर अभ्यर्थी सरल समस्याओ को हल नही करता क्योकि उसमे उसकी रुचि नही होती वह जटिल / कठोर कार्य मे रुचि लेता है। यही कारण है कि प्रतिभाशाली बच्चा शिक्षक की बातो पर कभी -2 ध्यान नही

Scanned with CamScanner

1 — फ्रायड
2 — कैटल
3 — गिलफोर्ड

नहीं देता क्योंकि उसका मानसिक स्तर सामान्य / पिछड़ा / सृजनात्मक बच्चे से भिन्न है। इसलिये कई बार प्रतिभाशाली छात्र शिक्षक को घुमाता है।

6 — जोखिम उठाने की प्रवृत्ति (Risk taking tendency)

सृजनशील बालक में जोखिम उठाने की प्रवृत्ति पायी जाती है वह कठिन से कठिन कार्य को करने के लिए तैयार रहते हैं उनका दर्शन / सिद्धान्त है कि "NO RISK, NO gain" होता है। ये बच्चे असफलता से सीखते है व सफलता को प्राप्त करते हैं। इनमें लगन होती है।

7 — जिज्ञासा (Curiosity)

इस प्रकार के अभ्यर्थी में प्रश्न पूछने की प्रवृत्ति पायी जाती है। सृजनात्मकता व जिज्ञासा एक दूसरे से सम्बन्धित है। सृजनात्मकता के लिये उच्च जिज्ञासा होना अति आवश्यक है। सृजनशील बालक का ज्ञान का भण्डार असीमित होता है। अपने चारों ओर घटित घटनाओं के बारे में सृजनशील व्यक्ति सोचता रहता है।

7- जिज्ञासा (Curiosity)

इस प्रकार के अभ्यर्थी मे प्रश्न पूछने की प्रवृत्ति पायी जाती है। सृजनात्मकता व जिज्ञासा एक दूसरे से सम्बन्धित है। सृजनात्मकता के लिये उच्च जिज्ञासा होना अति आवश्यक है। सृजनशील बालक का ज्ञान का भण्डार असीमित होता है। अपने चारों ओर घटित घटनाओं के बारे में सृजनशील व्यक्ति सोचता रहता है।

(8) मौलिक चिन्तन (Original thinking)

अभ्यर्थी के उत्तर सामान्य से / प्रत्याशित उत्तरों से कितने भिन्न है उसे मौलिकता / विविधता कहते है। "मौलिकता का सम्बन्ध असाधारण ज्ञान से है।"

Exm— नये-नये वस्तुओ / शब्दो व / शीर्षको का निर्माण करना

(9) विस्तृत चिन्तन (Elaborate Thinking)

किसी विचार की व्याख्या वस्तु या रेखा पाठ्य वस्तु, शब्द, शीर्षक आदि का विस्तारण या निर्माण करना ही विस्तारण / वर्णन कहलाता है।

(1) शाब्दिक विस्तारण
(2) आकृति विस्तारण (Fi.

FEBRUARY — 2019 —
M T W T F S S M T W T F S S M T W T F S S M T W T F S S M T W T F S S
- - - - 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 - - - -
FEB MAR APR MAY JUN
Scanned with CamScanner

सृजनात्मकता के स्तर का सिद्धान्त
"Levels of Creativity"

I.A टेलर Taylor (1954) के अनुसार — " इनके अनुसार सृजनात्मकता के पांच स्तर हैं।

या अभिव्यक्ति — Expression creati

1 - अभिव्यंजक सृजनात्मकता (Expressive Creativity) - निम्न स्तर
2 - उत्पादक " " (Productive Creativity)
3 - आविष्कारशील " " (Innovative ")
4 - नवाचारात्मक " " (Modified ") मूर्तिवस्तुएं — High मूर्तिवस्तुएं (उच्च स्तर)
5 - आविर्भावात्मक " " (Originative अमूर्त) उच्चमस्तर उच्चतम

(1) अभिव्यंजक सृजनात्मकता।

अर्थ ! - इस प्रकार की सृजनात्मकता में कौशल (Skills), मौलिकता (Originality) तथा उत्पादों की गुणवत्ता इतनी महत्वपूर्ण नहीं होती जितनी सृजनकरण की प्रक्रिया होती है। ये निम्न स्तर कहलाता है।

(2) उत्पादक सृजनात्मकता।

है।

② उत्पादक सृजनात्मकता

अर्थ → इसमें कलात्मक व वैज्ञानिक उत्पाद शामिल किए जाते हैं जहाँ स्वतन्त्र क्रियाओं को नियंत्रित या सीमित करने तथा परिष्कृत उत्पादों का निर्माण करने के लिए प्राविधियाँ विकसित करने की प्रवृत्ति होती है। "किसी वस्तु से नई वस्तु का निर्माण करना"

③ आविष्कारशील सृजनात्मकता

इसमें अन्वेषक या जाँचपड़ताल करने वाला व्यक्ति, सामग्री, विधि, माध्यम और प्राविधियों का प्रयोग करने में अपनी निपुणता प्रदर्शित करता है। "पुरानी चीजों से कुछ नयी चीजों का निर्माण करना" Eg- चण्डीगढ़ का पार्क

④ नवाचारात्मक सृजनात्मकता (मूर्त वस्तुएँ) Concrete

इस नवाचार सृजनात्मकता के अन्दर रूपान्तरण व सुधार आता है। इसमें परिस्थिति के अनुसार परिवर्तन ला सकते हैं। (ये उच्च स्तर के होते हैं)

उद्घाटनात्मक / ## ⑤ आविर्भावात्मक सृजनात्मकता (अमूर्त वस्तुएँ)

इसमें नये नियमों या मान्यताओं का विकास होता है तथा जिनके आधार पर कला, लेखन, संगीत ~~विज्ञान आदि सम्प्रदाय विकसित होते हैं।~~ (Abstract)

JANUARY — 2019 — M T W T F S S M T W T F S S M T W T F S S M T W T F S S M T W T 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31

जीन प्याजे की 3-4 अवस्थाओं में अन्तर है।